थ्री ईडीयट्स-2

“प्रेषक : जो हण्टर अरे नहीं भैया … चोदना-चुदाना सब शादी के बाद ! राधा ने चुहलबाजी की। तो मुन्नी तुझे ठिकाने लगाता हूँ। मेरी नज़रें अब राधा की चूत पर थी। अरे तेरा दिमाग तो ठीक है ? मैं तो तेरी बहन हूँ ! मुन्नी ने आंखें तरेर कर कहा। तो क्या हुआ, मस्ती में […] …”

Story By: Antarvasna अन्तर्वासना (antarvasna)
Posted: रविवार, जून 8th, 2008
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: थ्री ईडीयट्स-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

थ्री ईडीयट्स-2

प्रेषक : जो हण्टर

अरे नहीं भैया … चोदना-चुदाना सब शादी के बाद ! राधा ने चुहलबाजी की।

तो मुन्नी तुझे ठिकाने लगाता हूँ। मेरी नज़रें अब राधा की चूत पर थी।

अरे तेरा दिमाग तो ठीक है ? मैं तो तेरी बहन हूँ ! मुन्नी ने आंखें तरेर कर कहा।

तो क्या हुआ, मस्ती में तो सब ठीक है, जायज है। मैंने जिद करने की कोशिश की।

नहीं है जायज। तुम हमारे साथ कुछ भी करो पर लण्ड दूर ही रखना चूत से। दोनों ही एक साथ बोली।

ओह, तो मतलब तड़पते ही रहना है। अच्छा मुठ तो मार दो कोई रे। मेरी आह निकल गई।

नहीं अभी नहीं, एक सहेली का तजुर्बा है शाम को कर के देखेंगे। अभी कॉलेज चलें ?

शाम को लौटते समय हम तीनों एक दुकान से हो कर आये जहाँ से राधा ने तीन मोमबत्तियाँ अलग अलग मोटाई की ली। एक तो आधा इन्च की, एक एक इन्च की और एक डेढ इन्च की। फिर वो मेरी तरफ़ देख कर मुस्कराई। शाम को हम तीनों ने मिलकर हमेशा की तरह भोजन बनाया और जल्दी ही खा लिया। मैं बहुत ही असमंजस में था। क्या ये मोमबत्तियों से चुदवायेंगी।

तो शुरू करें ? राधा बोली।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पहले मैं, या तुम ? मुन्नी बोली।

क्या करोगी, जरा बताओ तो ? अच्छा चलो पहले मुझसे आरम्भ करो। मैंने बीच में टांग अड़ा दी।

जैसी तुम्हारी इच्छा, कपड़े उतार दो। हम भी उतारती हैं।

हम तीनों ने अपने अपने कपड़े उतार दिये। उन दोनों की फ़िगर देख कर मुझे नशा सा आ गया। वे दोनों भी मेरे सशक्त शरीर को देख कर मुग्ध थी। मेरा लण्ड जो किसी अनजान सुख की बाट जोह रहा था, सख्त हो कर दोनों को सलामी दे रहा था। एकाएक वो दोनों मुझसे लिपट गई और मुझे चूमने चाटने लगी। मैं जैसे मदहोश होने लगा। वो मेरे लण्ड को पकड़ कर आनदित हो रही थी। स्त्री स्पर्श लण्ड पर मुझे भी आनन्दित कर रहा था।

अब इस मेज़ पर उकड़ू बैठ जाओ।

मैं उछल कर मेज पर चढ़ गया और उकड़ू बैठ गया। मुन्नी और राधा ने मेरे चूतड़ो को सहलाना आरम्भ कर दिया। मुन्नी तो धीरे से मेरे सामने आ गई और मेरे लण्ड को हिलाने लगी, मेरी गोलियाँ हाथ से मलने लगी।

श्...श्... बस बैठे रहो, जो करना है, हमें करना है।

उनकी इस हरकत से मेरा लण्ड फ़ूल कर और सख्त हो गया। राधा की अंगुलियाँ मेरी गाण्ड के छेद पर गुदगुदा रही थी। फिर उसने झुक कर मेरे गाण्ड के भूरे फ़ूल को चाट लिया। मेरे शरीर में एक ठण्डी लहर सी चलने लगी। उसकी जीभ छेद को चीरना चाह रही थी। बार बार जीभ से वो मेरी गाण्ड के छेद को गुदगुदा रही थी। मैं आनन्द से लहरा रहा था। मुन्नी ने मेरी गोलियाँ अपने मुख में भर ली और मुख में हौले से दबाने लगी। मेरा लौड़ा तन कर मेरे पेट से लग गया था और उसकी आंखो के मध्य था। तभी मुन्नी ने मेरा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उफ़नता हुआ लण्ड अपने मुख में ले लिया। और उसे दांतों से काटने और चूसने लगी।

वहीं राधा ने मेरी गाण्ड में तेल चुपड़ दिया और अब उसकी अंगुली गाण्ड में अन्दर उतरने लगी। मुझे एक झटका सा लगा पर तेल के कारण अंगुली गाण्ड में समा गई। आह्ह, ऐसा आनन्द तो चोदने में भी नहीं आता होगा। अब तो उसकी अंगुली तेजी से अन्दर बाहर होकर मुझे आनन्दित कर रही थी। मेरे लण्ड को चूसने के कारण और गाण्ड में अंगुली के कारण बून्द बून्द करने पानी चूने लगा था। तभी आह्ह यह क्या हुआ ? कुछ भारी सा कड़ा सा गाण्ड में घुसने लगा।

संजू, आधा इन्च वाली मोमबत्ती है, कुछ तकलीफ़ नहीं होगी।

और वो मोमबत्ती गाण्ड में घुस गई। हाँ, पतली थी, कोई तकलीफ़ नहीं हुई, बल्कि आनन्द ही आया। धीरे धीरे वो मोमबती अन्दर बाहर चलती हुई मुझे महसूस हुई कि वो बहुत भीतर तक चली गई है। अब और अन्दर, और अन्दर, और ये लो पूरी घुस गई।

सन्जू, मोमबत्ती तो पूरी भीतर चली गई, कितना ले लेते हो आखिर ?

राधा की खनकती हंसी आई। अब पूरी बाहर निकालती और पूरी की पूरी अन्दर घुसेड़ देती। मैं आनन्द के मारे तड़पने लगा। मेरा वीर्य छूटने को हो रहा था। मुन्नी का मुख तेजी से मेरे लण्ड को चूस रहा था। उसके बाल उलझ कर चेहरे पर आ गये थे। मेरा निचला भाग आनन्द से भर कर बुरी तरह से हिल रहा था। मेरा वीर्य बस निकला निकला ही था। मेरे चेहरे का तनाव देख कर मेरी प्यारी दीदी ने मेरा लौड़ा पकड़ कर जो जोर से दबा कर मुठ मारा कि मेरा माल बाहर उछल कर निकल पड़ा। पहले से तैयार मेरी बहना में अपना मुख पूरा खोल दिया। पर फिर भी दो चार बूंदें इधर उधर छिटक ही गई। मेरा ढेर सारा वीर्य मुन्नी के मुख में था। राधा भी भाग कर मुन्नी से लिपट गई और अपने मुख से मुन्नी का मुख जोड़ दिया। दोनों ने मेरा थोड़ा थोड़ा सा वीर्य पी लिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं अब मेज से उतर गया। अब मुन्नी झट से मेज पर चढ़ गई। मैं उसके सामने आ गया और उसके अंगों को सहलाने और गुदगुदाने लगा। उसे असीम सुख की अनुभूति होने लगी। फिर मैंने उसके मम्मे खूब चूसे, फिर उसकी चूत को चाट चाट कर उसे बेहाल कर दिया। पीछे से राधा उसकी गाण्ड में मोमबत्ती पेल रही थी। कुछ ही देर में मुन्नी झड़ गई। अब यही हाल राधा का भी हुआ। वो भी असीम सुख पा कर सन्तुष्ट हो गई थी।

पर इसी बीच मेरा लण्ड फिर से एक बार और कठोर हो कर फ़ड़फ़ड़ा रहा था। पर दोनों को सन्तुष्ट जान कर मैंने अपनी बेसब्री दबा ली। हमने अब नंगे ही बैठे बैठे ठण्डा पिया और और अपने सोने के कमरे में चले आये। जीरो पावर का बल्ब जला दिया और जिसको जहाँ अच्छा लगा नीचे गद्दे पर नंगे ही पसर गये। मेरी बैचेनी जागी हुई थी, मुझे नींद नहीं आ रही थी। बार बार मुन्नी और राधा की चूतें नजर आ रही थी। आह कैसी रस भरी जवान चूतें थी... काश मैं जी भर कर उन्हें चोद पाता।

कुछ ही देर में मुझे मुन्नी की बड़ी बड़ी आंखें अपनी ओर घूरती दिखाई दी। मेरा दिल मचल उठा। भाई बहन का निगाहों-निगाहों में इशारा हुआ। हम दोनों धीरे धीरे से लुढ़कते हुये एक दूसरे के समीप आ गये। फिर धीरे से मुन्नी मेरी बाहों में समा गई। मुझे पता था कि वो चोदने तो नहीं देगी। चलो गाण्ड मारने की ही कोशिश कर लूँ।

मैंने उसके होंठ अपने होंठों में दबा लिये। मेरे लण्ड में मीठेपन की खुमारी चढ़ने लगी। वो मुन्नी के कूल्हे के आस-पास ठोकर मारने लगा। तभी मुन्नी कसमसा कर उल्टी लेट गई। साफ़ इशारा था कि उसकी गाण्ड मारनी है। स्त्री बदन को भोगने की लालसा बढ़ने लगी।मैंने उसके नरम चूतड़ों पर अपना लण्ड गड़ा दिया। मोमबत्ती से उसकी गाण्ड खुल सी गई थी। थोड़ा सा जोर मारने पर लण्ड दीदी की गाण्ड में घुस गया। मेरी आनन्द की कोई सीमा नहीं थी। मैं तो जैसे हवा में उड़ा जा रहा था। उसकी गाण्ड सरलता से चोद रहा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अचानक मुझे शैतानियत सूझी। मैंने अपना लौड़ा बाहर निकाल लिया। वो अपनी गाण्ड और ऊपर करके लण्ड लेने की कोशिश करने लगी थी। मैंने मौका पाते ही उसकी रस से चूती हुई चूत में अपना लण्ड घुसा दिया। वो आनन्द से सरोबार हो गई। चूत का आनन्द ही अपरम्पार होता है। मुझे भी गरम गरम चूत का सुहाना आनन्द महसूस हुआ। उसे गहराई तक लौड़ा घुसा कर चोदने लगा। मुन्नी ने चूत चुदाई का विरोध भी नहीं किया। शायद उसकी चूत भी लण्ड मांग रही थी।

मस्ती में दीदी चीखने लगी। इसी चीखने चिल्लाने से मुझे नहीं मालूम था कि राधा मेरे पास कब आ गई थी। उसका हाथ मेरी पीठ पर पड़ा तो चुदाई के साथ एक सुहाना सा अहसास हुआ। मैंने वासनायुक्त नजरों से राधा को देखा तो वो मुस्करा उठी। तभी एक आनन्द भरा अहसास और हुआ। मेरी गाण्ड में राधा ने मोमबत्ती घुसेड़ दी थी। मैं थोड़ा सा रुका, तब राधा ने वो पूरी मोमबती मेरी गाण्ड में घुसा दी। अब मैं दीदी को चोदता भी जा रहा था और गाण्ड में मोमबत्ती की चुदाई का आनन्द भी ले रहा था। तभी मुन्नी चीखती हुई झड़ गई। मैंने अपना लण्ड बाहर निकाल लिया। लौड़ा बेहाल हो रहा था। अब राधा दीदी के पास ही अपने दोनों पांव उठा कर लेट गई।

मेरी प्यारी राधा !

मेरे संजू…

और मैं उसकी दोनों टांगों के मध्य सेट हो गया।

आई लव यू राधा …

और राधा के मुख से एक मीठी सी आह निकल गई। मेरा सुपाड़ा राधा की चूत में घुस पड़ा था। पास में मेरी बहना बार बार मुझे चूम रही थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे भैया, मेरी जान … तुमने तो भाई बहन के रिश्ते को धागे से नहीं लण्ड से बांध दिया है। ये रिश्ता तो जान से भी प्यारा है। ये तो शादी के बाद भी जिंदगी भर चलेगा। राखी के दिन भैया मुझे चोद चोद कर इस रिश्ते को और भी पक्का कर देना।

राधा भी भाव में बह कर बोली- चोदो मेरे राजा। मैं शादी के बाद भी तुम्हारी प्रेमिका रहूँगी। शादी तो प्यार का अन्त है। मैं तो तुमसे शादी नहीं करूंगी, बस प्यार से चुदवाऊँगी।

आह, मेरी दोनों प्यारी प्यारी परियां, मैं जिन्दगी भर दोनों का साथ दूंगा।

कसमे-वादों के साथ चुदाई का मस्ती भरा समां हमे स्वर्ग की सैर करा रहा था। मुन्नी राधा की गाण्ड में मोमबत्ती से चुदाई कर रही थी। कुछ ही देर में राधा भी झड़ने को होने लगी। वो जोर जोर से चीख पुकार करने लगी। मैंने उसकी छातियों को और जोर से मसला, मुन्नी का हाथ भी जोर से चलने लगा। तभी वो जोर से झड़ गई। मेरे हाथ को अपने मम्मे से हटाने लगी। दूसरे हाथ से गाण्ड से मोमबत्ती खींचने का प्रयत्न करने लगी। वो ढीली पड़ती गई। अब वो निश्चल सी होकर शान्त पड़ गई थी।

दीदी ने मुझे जोर से धक्का दिया और बड़े प्यार मुझे चूमते हुये मोमबत्ती को मेरी गाण्ड में घुसा दी। फिर मेरे तड़पते हुये लण्ड को हाथों से मरोड़ना और मुठ मारना आरम्भ कर दिया। मेरा सारा रस मेरे मूत्र नली में भर सा गया।

अरे दीदी, मेरा तो निकला … आह रे निकल गया… मैं मर गया।

दीदी ने अपना मुख मेरे लण्ड पर लगा दिया और इन्तजार करने लगी। मुठ पर मुठ मारती गई और आह्ह्ह मेरी प्यारी बहना ने मुझे निचोड़ कर रख दिया। मेरा लण्ड में से वीर्य लावा की भांति उगलने लगा। दीदी एक अभ्यस्त खिलाड़ी की भांति उसे स्वाद ले ले कर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गटकने लगी। मैं निढाल हो कर राधा से लिपट कर लेट गया और तीनों नींद की गहरी दुनिया में खोते चले गये।

दूसरे दिन मैं सोच रहा था कि दोनों तो चुदी चुदाई है। ना झिल्ली टूटी, ना गाण्ड मराने में कोई तकलीफ़ हुई। उल्टे प्रथम चुदाई और गाण्ड मराई तो बड़ी मस्ती से की दोनों ने। जब रहा नहीं गया तो मैंने पूछ ही लिया- दीदी, तुम तो एक नम्बर की चुदक्कड़ निकली, और वो राधा, कितनी मस्ती से चुदा रही थी।

अब भैया आपसे क्या छिपाना, हम टचूशन का बहाना करके कभी राहुल तो कभी विकास से खूब चुदती थी और गाण्ड भी मराती थी। पर कसम से, अब तुम मिल गये हो हम कहीं नहीं जायेंगी।

पर विकास और राहुल तो कॉलेज में तुम दोनों की तरफ़ देखता भी नहीं है।

हाँ, हम कॉलेज में अनजाने बन जाते है ताकि किसी को शक ना हो।

साली, शैतान, बड़ी तेज खोपड़ी हो, मुझे भी ऐसा चक्कर में डाला कि अब तो निकलने को भी दिल नहीं करता है।

हम तीनों बहुत खुश थे। हमारा यही रिश्ता तीसरे साल तक चला। फिर बी ए करने के बाद सभी जुदा हो गये। पर यादों की एक टीस रह गई। राधा तो शादी के बाद भी मुन्नी के साथ मिलकर मेरे साथ कई बार चुदाई करवाती ही रही। मुन्नी दीदी की शादी के बाद तो मैं आज तक उसका बाजा बजाता हूँ।

जो हण्टर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

स्कूल में चुत चुदाई के बाद चाचा ने मेरी चुत चोदी

अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज पढ़ने वाले मेरे प्यार दोस्तो, अपनी सखी प्रिया का नमस्कार स्वीकार कीजिए। अभी मैं 24 वर्ष की हूँ, मेरा रंग गोरा.. चूचे 36″ के और कमर 28″ की है और चुत चिकनी फ़ूली हुई है। यह मेरी […]
Full Story >>>

भाई की साली छत पर चुद गई

अन्तर्वासना सेक्स स्टोरी के पाठकों को रमेश के खड़े लंड से नमस्कार! मैं जयपुर से हूँ, मेरी लंबाई 5 फुट 5 इंच की है और लंड का साइज भी लंबा और मोटा है। यह अन्तर्वासना पर मेरी पहली कहानी है। […]
Full Story >>>

अनोखी चूत चुदाई के बाद-4

'योनि नहीं, कोई दूसरा नाम बताओ इसका, तभी घुसाऊँगा लंड!' मैंने उसे और तंग किया फिर उसके भगांकुर को होंठों में लेकर चुभलाने लगा। 'उफ्फ पापा जी, आप और कितना बेशर्म बनाओगे मुझे आज… लो मेरी चूत में पेल दो […]
Full Story >>>

अनोखी चूत चुदाई के बाद-3

टाइम ग्यारह से ज्यादा हो गया, मैं ऊपर वाली कोठरी में जाकर लेट गया। 'अदिति आएगी?' यह प्रश्न मन में उठा, साथ में मैंने अपनी चड्डी में हाथ घुसा कर लंड को सहलाया। 'जरूर आयेगी… जब उसे कल की चुदाई […]
Full Story >>>

अनोखी चूत चुदाई के बाद-2

'देखो, घबराओ मत, तुम्हारी चिन्ता का कारण मुझे पता है, तुम किसी भी बात की चिन्ता फिकर मत करो।' 'कौन सी चिन्ता पापा? मुझे कोई टेंशन नहीं है!' 'देखो अदिति बेटा, मुझे सब पता है कि तुझे किस बात का […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Pinay Video Scandals

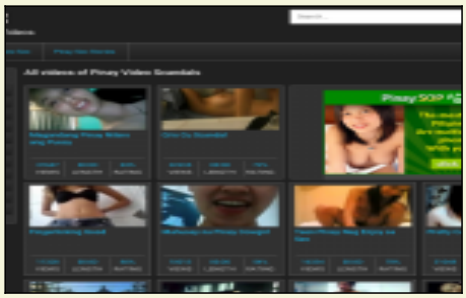

Manood ng mga video at scandals ng mga artista, dalaga at mga binata sa Pilipinas.

Desi Kahani

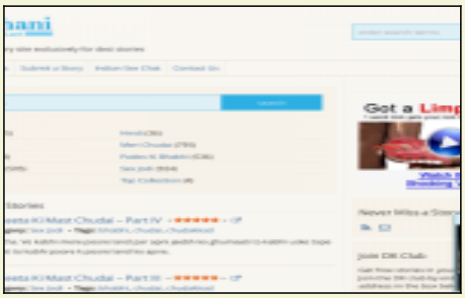

India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স ষ্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Kambi Malayalam Kathakal

Large Collection Of Free Malayalam Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Antarvasna Shemale Videos

Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

FSI Blog

Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire